

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 17, संप्रेषणीय गुण, भाग 4, ईश्वर अच्छा है, और धैर्यवान या सहनशील है

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र उचित या ईश्वर पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 17, संचारी गुण, भाग 4, ईश्वर अच्छा और धैर्यवान या सहनशील है।

हम धर्मशास्त्र उचित या ईश्वर के सिद्धांत के अपने अध्ययन पर लौटते हैं।

आइए प्रार्थना करें। दयालु पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, हम आपको सच्चे और जीवित परमेश्वर के रूप में महिमा देते हैं। हम आपके वचन, आपकी आत्मा, आपके लोगों और संगति के लिए आपका धन्यवाद करते हैं।

हमें अपनी सच्चाई में ले चलो। हमारे दिलों को प्रोत्साहित करो। अपने वचन के अनुसार हमारे दिमाग को विकसित करो, हम प्रार्थना करते हैं।

हम मध्यस्थ यीशु मसीह के द्वारा प्रार्थना करते हैं कि अपनी इच्छा के अनुसार हम में कार्य करें। आमीन। हम परमेश्वर के गुणों या विशेषताओं का अध्ययन करते रहे हैं।

जिन्हें ऐतिहासिक रूप से असंप्रेषणीय कहा गया है, वे अद्वितीय गुण हैं। ईश्वर जीवित, एक, आत्मा, अनंत, उपस्थित, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ, शाश्वत, अपरिवर्तनीय और महान है। हम अब उसके साझा या संप्रेषणीय गुणों को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

वे जो उसके मानव प्राणियों में कुछ समानता रखते हैं। परमेश्वर व्यक्तिगत, प्रभुता संपन्न, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ, विश्वासयोग्य, पवित्र, धर्मी, प्रेममय, अनुग्रहशील और दयालु है। हमारे पास ये तीन ही बचे हैं।

ईश्वर अच्छा है, जिसका अर्थ हम बुरे के विपरीत नहीं, बल्कि उदार से करते हैं। ईश्वर धैर्यवान या सहनशील है, और ईश्वर महिमावान है, यह निष्कर्ष निकालने के लिए एक बहुत ही उपयुक्त गुण है। ईश्वर अच्छा या उदार है।

अच्छे या उदार से हमारा मतलब है कि परमेश्वर अपने सभी प्राणियों की परवाह करता है और उनकी भलाई करता है। आपने सही सुना। न केवल विश्वासियों और अविश्वासियों के लिए, बल्कि परमेश्वर अपने सभी प्राणियों के लिए अच्छा है।

अच्छाई का इस्तेमाल भगवान के नाम, उनके पूरे चरित्र के लिए किया जाता है। इस बार मनुष्य ने मक्खी को हराया, लेकिन मनुष्य ने गंदगी भी की। क्षमा करें।

लेकिन आमतौर पर अच्छाई के विचार ईश्वर के अपने प्राणियों के साथ दयालुता और उदारता से व्यवहार करने के गुण की बात करते हैं। वास्तव में, उद्धरण, हर अच्छा और हर उत्तम उपहार ऊपर से है। याकूब 1:17, ज्योतियों के पिता से नीचे आ रहा है।

याकूब 1:17. वह विश्वासियों और अविश्वासियों दोनों के लिए अच्छा है। मत्ती 5:45 यीशु के पहाड़ी उपदेश से, "क्योंकि वह अपने बेटे को बुरे और अच्छे दोनों पर बढ़ाता है और धर्मी और अधर्मी दोनों पर बारिश बरसाता है।"

मत्ती 5:45. इसका मतलब यह है कि न केवल ईसाई किसानों को अपनी फसल उगाने और फलने-फूलने के लिए धूप और बारिश मिलती है, बल्कि अविश्वासी किसानों को भी मिलती है। परमेश्वर उन्हें भी धूप और बारिश देता है।

वह विश्वासियों और अविश्वासियों दोनों के लिए अच्छा है। ईश्वर की छवियाँ जो उसके उदार या अच्छे होने से संबंधित हैं, उनमें माता-पिता और चरवाहा शामिल हैं। माता-पिता।

भजन 145:19. मुझे लगा कि हमने पहले भी ऐसा किया है, लेकिन मुझे यह आयत बहुत पसंद है। भजन 145 परमेश्वर के गुणों से भरा हुआ है।

सब की आँखें तेरी ओर लगी रहती हैं, और तू उन्हें समय पर भोजन देता है। तू अपनी मुट्ठी खोलता है और हर जीवित प्राणी की इच्छा को पूरा करता है। यह बहुत ही सुंदर है।

यहोवा उन सभी के निकट रहता है जो उसको पुकारते हैं, 18 जो उसको सच्चाई से पुकारते हैं। वह अपने डरवैयों की इच्छा पूरी करता है, और उनकी दोहाई सुनकर उनका उद्धार करता है।

वह एक अच्छा परमेश्वर है, एक अच्छा पिता है। मत्ती 6 में, यीशु पहाड़ी उपदेश में चिंता के विरुद्ध बोल रहे हैं और कहते हैं कि विश्वासी परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं कि वह उनकी जरूरतों को पूरा करेगा। तुम्हारा स्वर्गीय पिता पक्षियों को खिलाता है, मत्ती 6:26, और वे न तो बोते हैं, न काटते हैं और न ही खलिहानों में इकट्ठा करते हैं।

क्या तुम पक्षियों से अधिक मूल्यवान नहीं हो? यदि परमेश्वर ने मैदान की घास को, जो आज जीवित है और कल भट्टी में झोंक दी जाती है, बंद कर दिया, तो क्या वह तुम्हें, हे अल्पविश्वासियों, अधिक वस्त्र नहीं पहनाएगा? क्योंकि अन्यजाति इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, पद 32, और तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब की आवश्यकता है। परन्तु पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी। भजन संहिता 145 9, सरल शब्दों में कहें तो, प्रभु सभी के लिए अच्छा है।

वह दयालु है। उसकी करुणा उसकी बनाई हुई हर चीज़ पर है। भजन 145 9. इसके अलावा, परमेश्वर की भलाई सिर्फ़ इंसानों तक ही सीमित नहीं है।

वह जानवरों की भी देखभाल करता है और उन्हें भोजन भी उपलब्ध कराता है। दाऊद ने तो उन्हें खिलाने में परमेश्वर की भलाई के बारे में भी गाया है। भजन 145:15 और 16.

सबकी आँखें तेरी ओर लगी रहती हैं। तू उन्हें उचित समय पर भोजन देता है। तू अपनी मुट्ठी खोलकर हर प्राणी की इच्छा को पूरा करता है, जिसे हम अब दूसरी बार पढ़ चुके हैं।

परमेश्वर की भलाई उसके लोगों को वादा किए गए देश की ओर ले जाती है, जहाँ वह गरीबों के लिए विशेष देखभाल दिखाता है। भजन 68:10. आपने अपनी भलाई से गरीबों के लिए प्रावधान किया।

भजन 68 10. परमेश्वर की भलाई, जो हमेशा बनी रहती है, मानव जाति की भलाई से अलग है। क्योंकि, उद्धरण, सारी मानवता घास है, और उसकी सारी भलाई मैदान के फूल की तरह है।

उद्धरण बंद करें। संक्षिप्त रूप में, यशायाह 46 और 7। सृष्टि और उद्धार परमेश्वर की भलाई को प्रकट करते हैं। सृष्टि करने के बाद, परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था उसे देखा और वह बहुत अच्छा था।

सिर्फ अच्छा ही नहीं, बल्कि बहुत अच्छा। उत्पत्ति 1:31. नहेमायाह परमेश्वर की भलाई को प्रमाणित करता है जब प्रभु इस्राएल को वादा किए गए देश की ओर ले जाता है।

नहेमायाह 9:25. उन्होंने खाया, तृप्त हुए, समृद्ध हुए, और परमेश्वर की महान भलाई में आनंदित हुए। जब लुस्त्रा के लोगों ने बरनबास और उसे देवता समझ लिया तो पौलुस को बुरा लगा।

उत्पत्ति उन्हें अच्छे सृष्टिकर्ता की ओर इंगित करती है। जब पॉल तरसुस में सेमिनरी में गया, तो तरसुस सेमिनरी में, बेशक उसके पास मिशनरी का कोर्स था। लेकिन उसके पास ऐसा कोई कोर्स नहीं था जिसमें आपको पूजा सेवा में आमंत्रित किया जाता था, और आप देवता थे।

ओह! उन्होंने बरनबास को गलत समझ लिया, जो पॉल से उम्र में बड़ा था। मैं उसे बड़ी मर्दाना सफेद दाढ़ी के साथ और पॉल, वक्ता, भगवान, वक्ता के रूप में चित्रित करता हूँ। उन्होंने उन्हें देवताओं के मुखिया और फिर बुध पर वक्ता भगवान के रूप में भी गलत समझ लिया।

और पॉल और बरनबास कोइन ग्रीक बोलते थे, जैसा कि लिस्ट्रान लोग बोलते थे, लेकिन वे लाइकोनियन बोली नहीं समझते थे, लेकिन वे ज़ीउस के पुजारी की शारीरिक भाषा समझते थे, जो उनके लिए एक जानवर, एक बैल की बलि देने के लिए, बलिदान देने के लिए तैयार था। और उन्होंने अपने कपड़े फाड़ दिए और कहा, तुम क्या कर रहे हो? हम भी तुम्हारे जैसे ही इंसान हैं। जब लिस्ट्रा के लोगों ने बरनबास और उसे देवताओं के रूप में गलत समझा तो पॉल को बुरा लगा।

उन्हें अच्छे सृष्टिकर्ता की ओर इंगित करें, "उसने तुम्हारे लिए अच्छा किया, आकाश से वर्षा और फलवन्त ऋतुएँ देकर, तुम्हें भोजन से तृप्त करके, और तुम्हारे हृदयों को आनन्द से भरकर।" प्रेरितों के काम 14:17। जैसा कि हम देखेंगे जब हम परमेश्वर के प्रकाशन का अध्ययन करेंगे, दूसरे पाठ्यक्रम में, जब हम परमेश्वर के प्रकाशन का अध्ययन करेंगे, तो सामान्य प्रकाशन और

विशेष प्रकाशन दोनों होंगे। सामान्य प्रकाशन, जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, सभी लोगों को, हर जगह, हमेशा मिलता है।

विशेष प्रकाशन केवल कुछ लोगों के लिए है और इसमें उद्धारक प्रकाशन भी शामिल है। सामान्य प्रकाशन उद्धारक नहीं है। सामान्य प्रकाशन के तीन उपविभाग हैं।

परमेश्वर अपने संसार, संसार, अपनी सृष्टि में खुद को प्रकट करता है। आकाश परमेश्वर की महिमा का बखान करता है, और आकाश, आकाशमण्डल और अन्तरिक्ष उसके काम को दिखाते हैं। भजन संहिता 19:1. परमेश्वर अपने आपको हृदय और विवेक पर लिखे गए नियम के प्रभावों पर प्रकट करता है, जो एक तरह का मापदंड है जो हृदय पर लिखे गए नियम के साथ चलता है।

रोमियों 2:14 और 15. अर्थात्, मनुष्य नैतिक प्राणी हैं। पतन के बाद से, अनैतिक प्राणियों को सुसमाचार की आवश्यकता है।

लेकिन किसी भी मामले में, सृष्टि में रहस्योद्घाटन, विवेक में रहस्योद्घाटन, और फिर प्रोविडेंस या इतिहास में रहस्योद्घाटन। और यही बात प्रेरितों के काम 14 में कही गई है। हमारी पूजा मत करो।

हम सिर्फ़ साथी इंसान हैं। ईश्वर की पूजा करें, मनुष्य की नहीं, रोम या ग्रीस की इन पौराणिक मूर्तियों की नहीं, क्योंकि ईश्वर ही है जो आपको स्वर्ग से वर्षा और फलदायी मौसम, फल और सब्ज़ियाँ देता है ताकि आप उसका आनंद ले सकें, और यहाँ तक कि वह आनंद भी जो आप टेबल फ़ेलोशिप में साझा करते हैं, परिवार और दोस्तों के रूप में टेबल के चारों ओर मिलते हैं, एक दूसरे के जीवन को साझा करते हैं। यह सब ईश्वर की अच्छाई या उदारता का हिस्सा है, और यह ईश्वर द्वारा खुद को सामान्य रूप से प्रकट करने का एक और तरीका है जो गैर-उद्धारात्मक रहस्योद्घाटन है।

परमेश्वर की महान भलाई मुक्ति में चमकती है। यह सृष्टि में स्पष्ट है। यह मुक्ति में एक प्रकाश स्तंभ की तरह चमकती है।

जैसा कि वह घोषणा करता है, यह उसके पुराने नियम के लोगों को प्रसन्न करता है। यिर्मयाह 31:14. मेरी प्रजा मेरी भलाई से संतुष्ट होगी।

यिर्मयाह 31:14. परमेश्वर अपने लोगों को आमंत्रित करता है कि वे स्वाद लें और देखें कि प्रभु अच्छा है। भजन 34:8, जिसे पतरस ने 1 पतरस अध्याय 2 में दोहराया है। दूसरे शब्दों में, विश्वास के द्वारा परमेश्वर का अनुभव करें, और आप देखेंगे कि वह एक प्रेमपूर्ण और उदार या अच्छा परमेश्वर है।

विश्वासी उसे पुकारते हैं। भजन संहिता 25:7. अपनी सच्ची करुणा के अनुसार मेरे बचपन के पापों या मेरे विद्रोह के कामों को स्मरण न कर। हे प्रभु, अपनी भलाई के कारण मुझे स्मरण कर।

भजन 25:7. परमेश्वर के साथ चलते हुए, हर कोई भरोसा करता है कि केवल भलाई और सच्चा प्यार ही उसके जीवन के सभी दिनों में उसका साथ देगा। भजन 23:6. आइए इस पर गौर करें क्योंकि यह हमारे लिए बहुत परिचित है। शायद हम इसकी ताकत महसूस नहीं करते।

हालाँकि कुछ लोग, जिनमें चरवाही का अनुभव रखने वाले लोग भी शामिल हैं, पूरे भजन में चरवाहे की छवि को बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह गलत है। चरवाहे की छवि पहले चार छंदों में दिखाई देती है। प्रभु मेरा चरवाहा है।

मुझे किसी चीज़ की कमी नहीं होगी। वह मुझे हरी चरागाहों में लेटाता है। वह मुझे शांत जल के किनारे ले जाता है।

वह मेरी आत्मा को पुनर्स्थापित करता है। वह अपने नाम के कारण मुझे धार्मिकता के मार्ग पर ले जाता है। भले ही मैं मृत्यु की छाया की घाटी से गुज़रूँ, मैं किसी बुराई से नहीं डरूँगा।

क्योंकि तू मेरे साथ है, तेरी छड़ी और तेरी लाठी। वे मुझे शान्ति देते हैं। मुझे कुछ घटी नहीं होगी, यही कुंजी है।

हमें आध्यात्मिक ताज़गी, शारीरिक पोषण, ईश्वरीय मार्गदर्शन, सुरक्षा, मृत्यु में भी ईश्वर के आराम की कमी नहीं होगी। पद 5 अब चरवाहे की कल्पना के बारे में बात नहीं कर रहा है। चार्ल्स स्पर्जन ने पहले ही इसे देख लिया था, लेकिन इसके बजाय, यह एक घर की ओर मुड़ता है।

मैं हमेशा के लिए प्रभु के घर में निवास करूँगा और एक मेज़बान जो मेरे सामने भोजन की मेज़ सजाता है। यह मेज़ पर रखी जाने वाली चीज़ों, भोजन और पेय के लिए एक पर्यायवाची है। तुम मेरे शत्रुओं की उपस्थिति में मेरे सामने एक मेज़ सजाते हो।

आप मेरे सिर पर तेल लगाते हैं, जो पुराने नियम में एक सामान्य सांस्कृतिक अभिवादन है। शमौन फरीसी के घर में यीशु शिकायत करते हैं, मैं अंदर आया, आपने मुझे तेल से अभिषेक नहीं किया, आपने मुझे अभिवादन का चुंबन नहीं दिया, लेकिन इस महिला ने मेरे पैरों को चूमना और उन पर तेल लगाना और अपने बालों से मेरे पैरों को साफ करना बंद नहीं किया है। उसकी महिमा, उसके बाल।

तू मेरे सामने मेज़ सजाता है। तू, परमेश्वर मेज़बान है। वह चरवाहा है जो अपने लोगों की परवाह करता है ताकि उन्हें उनकी ज़रूरतों की कमी न हो।

वह मेज़बान है, और हम उसके सम्मानित मेहमान हैं। ईश्वर झुकता है। तुम मेरे शत्रुओं की उपस्थिति में मेरे सामने एक मेज़ तैयार करते हो।

यह पतन के बाद की पूर्व-परिणति है। यह एक कठिन दुनिया में है। तुम मेरे सिर पर तेल लगाते हो, मेरा प्याला भर जाता है।

अलग छवि, लेकिन एक बार फिर, यहाँ परमेश्वर, इस बार मेज़बान के रूप में, अपने लोगों की ज़रूरतों को भरपूर मात्रा में पूरा कर रहा है। निश्चित रूप से भलाई और दया मेरे जीवन भर मेरे साथ रहेगी। निश्चित रूप से भलाई, यह हमारी अवधारणा है, और दया मेरे जीवन भर मेरे साथ रहेगी और मैं हमेशा के लिए प्रभु के घर में निवास करूँगा।

1 तीमुथियुस 1 कहता है कि यीशु मसीह ने सुसमाचार के माध्यम से जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया। इसका मतलब यह नहीं है कि वे पहले मौजूद नहीं थे। पुराने नियम में वे अधिक अंधेरे में थे और अब वे उज्वल रूप से प्रकाशित हैं और हमेशा के लिए घर में रहना मृत्यु के बाद जीने और हमेशा के लिए भगवान की संगति का आनंद लेने की सामान्य समझ की तरह लगता है, जैसा कि वचन कहता है।

भलाई और दया मेरे जीवन के सभी दिनों में और मृत्यु के बाद भी मेरा साथ देगी, संभवतः, मैं हमेशा के लिए प्रभु के घर में निवास करूँगा, जीवन में और उसके बाद, यदि आप चाहें तो उसके बाद के जीवन में। हालाँकि यह नए नियम के समकक्ष के रूप में स्पष्ट नहीं है, लेकिन परमेश्वर की भविष्य की भलाई कुछ ऐसी चीज है जिस पर पुराने नियम के संत भरोसा करते हैं। भजन 31 19.

तेरी भलाई कैसी महान है कि तू अपने डरवैयों के लिये भण्डारी है। भजन संहिता 31:19 .  
परमेश्वर की भलाई का फूल, बेशक, नये नियम में पूरी तरह खिलता है।

ईश्वर ने हमें दुनिया की पवित्र पुस्तकों में से एक, एक ऐतिहासिक पुस्तक दी है। यह उनकी कहानी है और जैसे-जैसे हम पुराने नियम से नए नियम की ओर बढ़ते हैं, रहस्योद्घाटन की प्रगति होती है क्योंकि मसीह आता है और वह सब कुछ बदल देता है और वह पिन्तेकुस्त पर आत्मा भेजता है और वह सब कुछ बदल देता है। पतरस पाखंडियों को दंडित करता है।

रोमियों 2 4. क्या तुम उसकी दया, संयम और धैर्य के धन को तुच्छ समझते हो, और यह नहीं समझते कि परमेश्वर की दया तुम्हें पश्चाताप की ओर ले जाने के लिए है? रोमियों 2 4. विश्वासी आनन्दित हैं। तीतुस 3:4 और 5. जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दया और मानवजाति के प्रति उसका प्रेम प्रकट हुआ, तो उसने हमें बचाया। तीतुस 3:4 और 5. जब हम भविष्य और अंतिम छुटकारे की आशा करते हैं, तो हमें विश्वास होता है क्योंकि परमेश्वर ने, उद्धारण, हमें अपने ज्ञान के माध्यम से जीवन और भक्ति के लिए आवश्यक सब कुछ दिया है, जिसने हमें अपनी महिमा और भलाई से बुलाया है।

2 पतरस 1:3. हम परमेश्वर की भलाई का जवाब कैसे देंगे? बेशक, प्रशंसा के साथ। 2 इतिहास 7:3. हम उसकी प्रशंसा करते हैं क्योंकि वह अच्छा है, क्योंकि उसका सच्चा प्यार हमेशा बना रहता है। 2 इतिहास 7:3. अगर ज़रूरत पड़े तो हम इस उम्मीद में दुख उठाते हैं कि, "हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं उनके लिए सब कुछ मिलकर भलाई ही को जन्म देता है।"

रोमियों 8:28. मैंने एक बार एक बहुत ही प्रतिभाशाली छात्र को पढ़ाया था जो पहले से ही कॉर्नेल से गणित में पी.एच.डी. था।

और यह हैटफील्ड, पेंसिल्वेनिया में बाइबिल थियोलॉजिकल सेमिनरी नामक एक छोटे से स्कूल में एमए की डिग्री हासिल करने का समय था, जहाँ मैं पहले एक युवा प्रोफेसर था। गैरी वास्तव में एक सीधा-सादा आदमी था; जो आप देखते थे वही आपको मिलता था। और इसलिए, एक गर्मियों में, उसने मुझे बताया कि वह रोमियों 8:28 पर एक स्वतंत्र अध्ययन कर रहा था।

और उसने कहा कि मैंने पूछा, अच्छा, यह कैसे हुआ? वह कहता है कि यह समय की बर्बादी थी। वह एक अच्छा आदमी है, लेकिन वह ऐसा ही है। वह रूखा है।

यह समय की बर्बादी थी। मैंने पूछा, तुम्हारा क्या मतलब है? वह कहता है, ठीक है, मैंने, मैं भूल गया कि यह क्या था, ग्रीक और टिप्पणियों और विचारों के प्रवाह और धर्मशास्त्र का अध्ययन करने में 50 घंटे बिताए। आप क्या कहते हैं, आपका क्या मतलब है? वह कहता है, वह कहता है, यह पता चला कि इसका मतलब बिल्कुल वही है जो हमने सोचा था।

वह क्या है? इस संदर्भ में, इसका मतलब है कि वर्तमान कष्टों के बावजूद भी, परमेश्वर अच्छा है। परमेश्वर अपने लोगों का ख्याल रखता है। वह उन लोगों की भलाई के लिए सभी चीजों को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है जो उससे प्रेम करते हैं, जिन्हें उसने अपनी कृपा से तुम्हारे लिए बचाया है।

मैंने कहा, गैरी, तुमने समय बर्बाद नहीं किया। तुमने मेरे 50 घंटे बचाए। याद रखो, संदर्भ ही सबसे महत्वपूर्ण है।

जैसा कि मेरे एक पूर्व सहकर्मी ने मुझे सिखाया था, हम जानते हैं कि सभी चीजें मिलकर भलाई के लिए काम करती हैं। हम इसे हमेशा नहीं देख सकते, लेकिन हम इस पर विश्वास करते हैं। परमेश्वर अंततः उन लोगों की भलाई के लिए सभी चीजें करता है जो उससे प्रेम करते हैं।

वे उससे प्रेम करते हैं, क्योंकि उसने उन्हें पहले से जान लिया, पहले से ठहराया, बुलाया, धर्मी ठहराया और महिमा दी। रोमियों 8:30--29 और 30।

जब हम पक्षियों और जंगली फूलों के प्रति परमेश्वर की देखभाल को याद करते हैं, तो हम जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उसकी भलाई पर भरोसा करते हैं। मत्ती 6:25 से 34. मैं पूरा अंश पढ़ना चाहता हूँ।

यह बहुत ही सुंदर है। और मैंने इसे थोड़ा-थोड़ा करके लिखा है, लेकिन पूरा प्रभाव पाने के लिए। इसे पूरा पढ़ना अच्छा है।

पहाड़ी उपदेश उचित रूप से प्रसिद्ध है। यह यीशु के पाँच प्रमुख उपदेशों में से एक है जो पहले सुसमाचार में शामिल हैं। मत्ती 6:25.

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, यीशु कहते हैं, अपने जीवन के बारे में चिंता मत करो कि हम क्या खाएँगे या क्या पीएँगे, न ही अपने शरीर के बारे में कि हम क्या पहनेंगे। क्या जीवन भोजन से बढ़कर नहीं है और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं है? आकाश के पक्षियों को देखो, वे न बोते हैं, न

काटते हैं, न खलिहानों में बटोरते हैं, फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें खिलाता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्यवान नहीं हो? और तुम में से कौन है, जो चिंता करके अपने जीवन की अवधि में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है? वास्तव में, तुममें से कोई भी अपना जीवन छोटा नहीं कर सकता।

और तुम वस्त्र के विषय में क्यों चिन्तित हो? मैदान के सोसनों पर ध्यान करो कि वे कैसे बढ़ते हैं; वे न तो परिश्रम करते हैं, न कातते हैं। फिर भी मैं तुम से कहता हूँ, कि सुलैमान भी अपने सारे वैभव में उनमें से किसी के समान वस्त्र नहीं पहिना सका। परन्तु यदि परमेश्वर मैदान की घास को, जो आज जीवित है और कल भाड़ में झोंकी जाएगी, ऐसा वस्त्र पहिनाता है, तो हे अल्पविश्वासियों, वह तुम्हें क्यों न पहिनाएगा? इसलिये यह चिन्ता करके न कहना, कि हम क्या खाएँगे, या क्या पीएँगे, या क्या पहिनेंगे? क्योंकि इस संदर्भ में अन्यजातियों का अर्थ है वे जो वाचा से बाहर हैं, अर्थात् उद्धार न पाए हुए लोग; अन्यजाति इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, और तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब की आवश्यकता है।

इसलिये पहिले तुम परमेश्वर के राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी। इसलिये कल की चिन्ता न करो, क्योंकि कल का दिन अपनी चिन्ता अपनी कर लेगा: आज के लिये आज का दुःख ही बहुत है।

खैर, कितने सुकून देने वाले शब्द हैं। परमेश्वर भला है। वह अपने लोगों की ज़रूरतें पूरी करेगा।

और यह पूरे इतिहास में परमेश्वर के लोगों की गवाही रही है। हम शत्रुओं से प्रेम करने और उनके लिए प्रार्थना करने के कठिन कार्य में भी परमेश्वर की भलाई को दर्शाते हैं। पर्वत पर उपदेश, मत्ती 5, 44 और 43।

आपने सुना होगा कि कहा गया था: तुम्हें अपने पड़ोसी से प्यार करना चाहिए और अपने दुश्मन से नफरत करनी चाहिए। एक बहुत ही लोकप्रिय और अच्छे अनुवाद का प्रारंभिक संस्करण, जिसका नाम नहीं बताया जाएगा और जिसका उपयोग पुराने नियम के उद्धारणों को बड़े अक्षरों में लिखने के लिए किया जाता है, इस पूरी बात को बड़े अक्षरों में लिखता है। तुम्हें अपने पड़ोसी से प्यार करना चाहिए और अपने दुश्मन से नफरत करनी चाहिए।

केवल पहला भाग ही बड़े अक्षरों में होना चाहिए। दूसरा भाग पुराने नियम से उद्धारण नहीं था। संपादकों को बेवकूफ बनाया गया।

उन्होंने इसे सही कर दिया है। उन्हें इसका श्रेय दें। और जैसा कि मैंने कहा, अगर आपको पता है कि यह अनुवाद क्या है, तो यह ठीक है।

यह बहुत सावधानी से किया गया है और इसी तरह की अन्य बातें भी हैं। आपने सुना है, और एक ईश्वरीय और विद्वान समिति द्वारा किया गया है, आपने सुना है कि यह कहा गया था, आपको अपने पड़ोसी से प्यार करना चाहिए, जो वास्तव में कहा गया था, और अपने दुश्मन से नफरत करनी चाहिए। ऐसा नहीं कहा गया था।

यह पहले विचार की फरीसी व्याख्या थी। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, अपने शत्रुओं से प्रेम करो और अपने सताने वालों के लिए प्रार्थना करो ताकि तुम अपने पिता के पुत्र बन सको जो स्वर्ग में है। फिर उसके पुत्र और उसके शासन के बारे में जो बातें सब तक जाती हैं, उनका पालन करो।

परमेश्वर सभी के लिए अच्छा है। उसके लोगों को भी ऐसा ही करना चाहिए, यहाँ तक कि उसकी कृपा से, अपने शत्रुओं से प्रेम करना चाहिए और निश्चित रूप से उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। और हम आत्मा में चलते हैं और आत्मा का फल उत्पन्न करते हैं, जिसमें भलाई शामिल है।

मत्ती अध्याय, गलातियों, क्षमा करें, अध्याय पाँच। इस अंश के बारे में मेरी अपनी समझ यह है कि यह एक बड़ा चियास्म है, जिसका केंद्र शरीर के कर्म और आत्मा के फल हैं। शरीर के काम स्पष्ट हैं, गलातियों 5:19। सबसे पहले, यौन पाप, यौन अनैतिकता, अशुद्धता और कामुकता।

फिर, धार्मिक पापों, मूर्तिपूजा, जादू-टोने जैसे विरोधाभासों को क्षमा करें। लेकिन सबसे बढ़कर, पारस्परिक पाप दक्षिणी गलातियन चर्चों की ज़रूरतों को दर्शाते हैं। दुश्मनी, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, प्रतिद्वंद्विता, मतभेद, विभाजन, ईर्ष्या, नशे में धुत्त होना, उन्माद और इस तरह की चीज़ें।

मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ, जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी चेतावनी दी थी, जो लोग ऐसे काम करते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे। जिनकी जीवनशैली शरीर के कामों से जुड़ी है। यह एक बहुत बुरा संकेत है, मैं इसे पादरी के दृष्टिकोण से कहूँगा।

हम जल्दी से निर्णय नहीं लेते, लेकिन यह वास्तव में एक बहुत बुरा संकेत है। इसके विपरीत, आत्मा का फल। अब, विश्वासियों से स्पष्ट रूप से इसमें शामिल होने की अपेक्षा की जाती है।

सबसे पहले, गलातियों 5:16, आत्मा के अनुसार चलो और तुम शरीर की इच्छाओं को पूरा नहीं करोगे। तो, यह वास्तव में, ठीक है, मेरे चियास्म के बाहर की ओर है। मेरे पास पूरी बात करने का समय नहीं है।

5:25, यदि हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, तो हमें आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। इसलिए, शरीर के कामों के दोनों तरफ, आत्मा का फल, आत्मा के द्वारा चलना, 5:16, आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना, 5.25। विश्वासियों को आज्ञा दी जाती है, प्रोत्साहित किया जाता है, और आज्ञा दी जाती है कि वे इस फल को उत्पन्न करने के लिए पवित्र आत्मा पर निर्भर होकर कदम से कदम मिलाकर चलें। वे जिम्मेदार हैं, लेकिन अंततः यह पवित्र आत्मा का फल है।

और वह है प्रेम, आनन्द, शांति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वासयोग्यता, नम्रता, आत्म-संयम। ऐसी चीज़ों के विरुद्ध कोई नियम नहीं है। आप कहते हैं, आप जानते हैं, मैंने वास्तव में पढ़ा है, लेकिन मैंने अभी तक मसीह के साथ एकता के बारे में यह अंश नहीं पढ़ा है।

यह यहाँ है। यह हर जगह है। और जो लोग मसीह, यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी वासनाओं और इच्छाओं के साथ क्रूस पर चढ़ा दिया है।

मसीह से संबंधित होने में सह-क्रूस पर चढ़ना शामिल है क्योंकि हम उसके साथ मर गए। किसी भी मामले में, मुद्दा यह है कि, परमेश्वर अच्छा है और उसके लोग, उसकी बचाने वाली कृपा और सक्षम करने वाली कृपा से, उसकी भलाई को दर्शाते हैं क्योंकि वे आत्मा का अनुसरण करते हैं और आत्मा उनके जीवन में उसके फल के हिस्से के रूप में भलाई पैदा करती है। इतना ही नहीं, परमेश्वर अच्छा या उदार है, वह धैर्यवान या सहनशील भी है।

धैर्यवान या सहनशील होने से हमारा मतलब है कि परमेश्वर को क्रोध आने में देर लगती है और वह हमेशा पाप को तुरंत दण्डित नहीं करता। परमेश्वर के इस उपेक्षित गुण को, कम से कम आज, सहनशीलता भी कहा जाता है। सहनशीलता, सहनशीलता, धैर्य।

धैर्य के साथ समस्या यह है कि जब हम इसे मनुष्यों के लिए इस्तेमाल करते हैं तो यह हमें बहुत कमज़ोर लगता है। दूसरे शब्द ज़्यादा कठोर लगते हैं और यह अच्छा है। सहनशीलता या धैर्य, हालाँकि ये शब्द हमारी भाषा में बिल्कुल प्रचलित नहीं हैं।

इसलिए, मैं तीनों का उपयोग करता हूँ। परमेश्वर धैर्यवान है, परमेश्वर सहनशील है, परमेश्वर सहनशील है। जब परमेश्वर ने निर्गमन 34 में अपने चरित्र के महान विवरण में मूसा को अपनी पहचान, अपना नाम प्रकट किया, तो उसने धैर्य को शामिल किया, खुद की घोषणा की, उद्धरण, निर्गमन 34 6, प्रभु, प्रभु एक दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है, जो क्रोध करने में धीमा और विश्वासयोग्य प्रेम और सत्य से भरपूर है।

निर्गमन 34 6, भजन 103:8 और 145:8 भी देखें। भजन 103 एक और रत्न है। दूसरे शब्दों में, प्रभु के लाभों को याद रखें, जिसमें विशेष रूप से क्षमा और प्रेम शामिल है। प्रभु दयालु और अनुग्रहकारी, क्रोध में धीमा, भजन 103 8, और दृढ़ प्रेम में भरपूर है।

वह हमेशा डाँटता नहीं रहेगा, न ही वह हमेशा अपने क्रोध को बनाए रखेगा। वह हमारे पापों के अनुसार हमारे साथ व्यवहार नहीं करता, न ही हमारे अधर्म के अनुसार हमें बदला देता है। क्योंकि जैसे सबसे ऊँचा आकाश पृथ्वी के ऊपर है, वैसे ही उसके डरवैयों के प्रति उसकी करुणा महान है।

और वह पश्चिम से जितना दूर है, उसने हमारे अपराधों को हमसे उतना ही दूर कर दिया है। जैसे पिता अपने बच्चों पर दया दिखाता है, वैसे ही प्रभु उन पर दया दिखाता है जो उससे डरते हैं। क्योंकि वह हमारी बनावट को जानता है, वह निश्चित रूप से जानता है, उसने हमें बनाया है, उसे याद है कि हम मिट्टी हैं।

हम भजन 145, श्लोक 8 की ओर नहीं मुड़ेंगे। मुझे विश्वास है कि हमने इसे पहले पढ़ा है। अपने से नफरत करने वाले क्रूर लोगों के हमले के तहत, दाऊद प्रार्थना करता है, भजन 86 15 और 16। लेकिन हे प्रभु, आप एक दयालु और अनुग्रहकारी ईश्वर हैं, जो क्रोध करने में धीमे और विश्वासयोग्य प्रेम और सच्चाई से भरपूर हैं।

मेरी ओर फिरो और मुझ पर अनुग्रह करो, भजन 86:15 और 16। परमेश्वर की एक छवि जो उसके धैर्य को दर्शाती है, वह एक चरवाहे की है जो धैर्यपूर्वक एक खोई हुई भेड़ को खोजता है। मैं यीशु के 99 भेड़ों और भटकी हुई भेड़ के दृष्टांत का उल्लेख कर रहा हूँ, मत्ती 18:10 से 14 तक।

जैसा कि हमने परमेश्वर के गुणों के माध्यम से लगातार करने की कोशिश की है, हम एक या दो बाइबिल धर्मशास्त्रीय चित्रों का उल्लेख करने का प्रयास करते हैं जो एक हजार शब्दों के बराबर हो भी सकते हैं और नहीं भी, लेकिन वे बाइबिल के हैं, और वे अच्छे हैं, और वे सहायक हैं जो उनके गद्य के साथ चलते हैं जो उनके गुणों को बताते हैं। पुराने नियम के इतिहास में परमेश्वर का धैर्य स्पष्ट है। उत्पत्ति बताती है कि जब परमेश्वर मानवता के व्यापक भ्रष्टाचार को देखता है, तो वह मानवजाति और उस दुनिया को डुबोने के लिए बाढ़ के रूप में इसका न्याय करने की तैयारी करता है जिस पर उसे शासन करना है।

उत्पत्ति 6 5 से 13. पतरस नूह के जलप्रलय को याद करता है, लेकिन परमेश्वर के धैर्य पर भी ध्यान देता है। 1 पतरस 3 20.

नूह के दिनों में जब जहाज़ तैयार किया जा रहा था, तब परमेश्वर ने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की। 1 पतरस 3 20. एक अन्य घटना में, जब परमेश्वर अपने विद्रोही लोगों से इतना क्रोधित होता है कि वह उन्हें नष्ट करना चाहता है, तो मूसा परमेश्वर से उसकी प्रतिष्ठा की खातिर ऐसा न करने की विनती करता है।

रास्ते से हट जाओ, मूसा। मैं इन जिद्दी और अड़ियल लोगों को नष्ट कर दूँगा, और वे अब इस्राएली नहीं रहेंगे। वे मूसा के लोग होंगे।

मूसा उस महिमा के पीछे नहीं था। बल्कि, वह अपने लोगों की परवाह करता था। वह और पौलुस अपने लोगों के लिए नरक में जाने को तैयार थे।

रोमियों 10:1. वाह. मुझे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मैं गलत शिक्षा न दे रहा हूँ, गलत संदर्भ न दे रहा हूँ. यह या तो 9 है. हाँ, यह है.

मैं गलत हूँ। यह 9:1 है। रोमियों का 9:3। मुझे खुशी है कि मैंने इसे जाँच लिया।

10:1 के बारे में बयान वापस लें। वह वहाँ अपने लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा है, लेकिन वह 9:3 में है। वह उनके लिए मसीह से अलग होने के लिए नरक में जाने को तैयार है। ओह। हे प्रभु।

मूसा अपने चरित्र में प्रभु को पुकारता है। “प्रभु विलम्ब से क्रोध करनेवाला और अति करुणामय है, और अधर्म और विद्रोह को क्षमा करनेवाला है।” गिनती 14:18.

मूसा परमेश्वर से विनती करता है कि वह अपने लोगों को नष्ट न करे जो परमेश्वर की प्रतिष्ठा, उसके सहनशील होने के कारण विनाश के योग्य हैं। क्रोध में धीमा होना बार-बार आता है।

निर्गमन 34 अपनी छाप छोड़ता है जहाँ परमेश्वर मूसा को अपना नाम प्रकट करता है, पुराने नियम पर अपनी छाप छोड़ता है।

हर जगह इसका उल्लेख किया गया है और कभी-कभी इसे उद्धृत भी किया जाता है। यशायाह लोगों को परमेश्वर के धैर्य की परीक्षा लेने से सावधान करता है। यशायाह 7:13.

लेवियों ने इस्राएल के इतिहास का सर्वेक्षण किया, जो कैद की ओर ले जाता है, और परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं। नहेमायाह नहीं, गिनती 9:30। हे प्रभु, आप कई वर्षों तक उनके साथ धैर्य रखते रहे और आपकी आत्मा ने उन्हें अपने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने नहीं सुना।

इसलिए, आपने उन्हें आस-पास के लोगों को सौंप दिया, हालाँकि अक्सर परमेश्वर के प्रेम और अनुग्रह का उल्लेख नहीं किया जाता। उसका धैर्य भी उद्धार से संबंधित है। पॉल परमेश्वर के धैर्य का दुरुपयोग करने वालों की निंदा करता है।

"क्या तुम उसकी कृपा, संयम और धैर्य के धन को तुच्छ जानते हो, और यह नहीं समझते कि परमेश्वर की कृपा तुम्हें पश्चाताप की ओर ले जाती है?" रोमियों 2:4 फिर से, क्योंकि इसमें परमेश्वर के कई गुणों का उल्लेख है। मसीह का क्रूस एक प्रायश्चित है जो परमेश्वर की धार्मिकता को संतुष्ट करता है क्योंकि यीशु को मानव पाप के लिए पूर्ण प्रायश्चित करने की आवश्यकता थी। पुराने नियम में, उसने पशु बलि के माध्यम से प्रायश्चित किया, लेकिन वह पूर्ण प्रायश्चित नहीं जो पशु बलि के द्वारा किया गया था।

अर्थात्, परमेश्वर के संयम में, उसने पहले किए गए पापों को अनदेखा कर दिया। रोमियों 3:25. पौलुस बताता है कि परमेश्वर उन लोगों के लिए न्याय क्यों नहीं करता जो उसके विरुद्ध विद्रोह करते हैं।

उसने "विनाश के लिये तैयार किए गए क्रोध की वस्तुओं को बड़े धीरज से सहा। और क्या उसने दया की वस्तुओं पर अपनी महिमा के धन को प्रगट करने के लिये ऐसा किया, जिन्हें उस ने महिमा के लिये पहिले से तैयार किया था।" रोमियों 9:22 23. परमेश्वर दिन भर दुष्टों को सहता है और न्याय में शीघ्रता नहीं करता, बल्कि ऐसा कहने के लिये देर करता है, ताकि लोगों को सुसमाचार सुनने, पश्चाताप करने, और प्रभु की ओर मुड़ने के लिये अधिक समय मिल सके।

परमेश्वर के कई गुणों की तरह, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मसीह के शास्त्र में भी मसीह को ईश्वरीय धैर्य का श्रेय दिया गया है। पौलुस ने यीशु को धन्यवाद दिया कि उसने उसे सेवकाई में शामिल किया, " पहले मैं निन्दा करनेवाला, सतानेवाला और अभिमानी था।" 1 तीमुथियुस 1:13.

पौलुस परमेश्वर के मसीह के धैर्य से आनन्दित होता है "इस कारण मुझ पर दया होती है।" 1 पतरस 1:16। ताकि मुझ सबसे बड़े पापी में मसीह यीशु अपने असाधारण धैर्य को उन लोगों के लिए एक आदर्श के रूप में प्रदर्शित करे जो अनन्त जीवन के लिए उस पर विश्वास करेंगे।

1 तीमुथियुस 1:16. मसीह के वापस आने का इंतज़ार करते समय प्रेरितों के मन में धैर्य की भावना सहज ही आ जाती है। पतरस मसीहियों को यह उद्धार देना सिखाता है, हमारे प्रभु के धैर्य को उद्धार समझो।

जैसा कि हमारे प्रिय भाई पौलुस ने तुम्हें लिखा है, जो ज्ञान उसे दिया गया है। 2 पतरस 3:15। पद 9 भी देखें। याकूब अध्याय 5 में आग्रह करता है। इसलिए, भाइयों और बहनों, प्रभु के आने तक धैर्य रखो।

जेम्स उपेक्षित है। मेरे मित्र क्रिस्टोफर मॉर्गन ने पीएनआर प्रकाशन के लिए जेम्स के धर्मशास्त्र पर एक किताब लिखी है। और यह वास्तव में एक उपेक्षित धर्मशास्त्र है।

क्या यह पौलुस जितना महत्वपूर्ण है? नहीं। या रोमियों जितना? नहीं। क्या यह धर्मशास्त्र का हिस्सा है? हाँ।

हमें पवित्रशास्त्र के सभी भागों पर ध्यान देना चाहिए, खास तौर पर नए नियम के सभी भागों पर जो पुराने नियम पर आधारित हैं। इसलिए, भाइयों, धीरज रखो। याकूब 5:7। प्रभु के आने तक।

देखिए किसान धरती के अनमोल फल का कैसे इंतज़ार करता है। जब तक उसे बारिश नहीं मिलती, तब तक वह धैर्य रखता है। वह फिलिस्तीनी कृषि मौसम विज्ञान को दर्शाता है, जब तक उसे शुरुआती और देर से बारिश नहीं मिलती, तब तक वह धैर्य रखता है। आप भी धैर्य रखें।

अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है। हे भाइयो, एक दूसरे पर दोष न लगाओ, ऐसा न हो कि तुम पर दोष लगाया जाए। देखो, न्यायी द्वार पर खड़ा है।

हे भाइयों, दुख और धैर्य के उदाहरण के रूप में उन भविष्यद्वक्ताओं को लीजिए जिन्होंने प्रभु के नाम से बातें कीं। याकूब 5, पद 11. देखो, हम उन लोगों को धन्य मानते हैं जो दृढ़ बने रहते हैं।

आपने अय्यूब की दृढ़ता के बारे में सुना है और आपने प्रभु के उद्देश्य को देखा है, कि प्रभु किस तरह दयालु और कृपालु है। परमेश्वर चाहता है कि उसका धैर्य उसके लोगों के जीवन में दिखाई दे। इसलिए धैर्य आत्मा का एक फल है।

प्रेम, आनन्द, शांति, धैर्य। और पौलुस पहले मसीही प्रेम और आशा दोनों को धैर्यवान के रूप में वर्णित करता है। 1 कुरिन्थियों 13:4। रोमियों 8:25 भी देखें।

परमेश्वर की तरह, हमें भी क्रोध करने में धीमा होना चाहिए। याकूब 1:19. हम इस व्याख्यान का समापन इस आयत के संदर्भ में करेंगे।

याकूब 1:19. हे मेरे प्रिय भाइयो, यह बात जान लो: हर एक मनुष्य सुनने के लिये तत्पर और बोलने में धीरा और क्रोध में धीमा हो।

वे आपस में जुड़े हुए हैं। अगर मैं सुनने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूँ, जो कि मेरे लिए कठिन है, सच कहूँ तो, मैं इतनी बातें नहीं कर रहा हूँ। और अगर मैं ये दो काम कर रहा हूँ, तो मैं कम गुस्सा होता हूँ, कम से कम कम जल्दी, क्योंकि मैं दूसरों की बात सुन रहा हूँ और मैं ऐसी बातें नहीं कह रहा हूँ जिससे मैं मुसीबत में पड़ सकता हूँ।

सुनने में तत्पर, बोलने में धीरा, और क्रोध करने में धीमा हो। क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर की धार्मिकता उत्पन्न नहीं कर सकता। इसलिये सारी मलिनता और बड़ी दुष्टता को दूर करके उस वचन को जो बोया गया, नम्रता से ग्रहण कर लो, जो तुम्हारे प्राणों का उद्धार कर सकता है।

परमेश्वर के वचन के बारे में एक उल्लेखनीय कथन: परमेश्वर अच्छा है या उदार, धैर्यवान है या सहनशील। हमारे अगले व्याख्यान में, हम परमेश्वर के संचार योग्य गुणों का उचित रूप से यह कहकर समापन करेंगे कि हमारा परमेश्वर महिमामय है।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र उचित या ईश्वर पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 17 , संचारी गुण, भाग 4, ईश्वर अच्छा और धैर्यवान या सहनशील है।